Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 11 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 315

महत्वपूर्ण एवं खास

बेगूसराय में एक ही परिवार के 4 लोगों पर धारदार हथियार से हमला, तीन की मौत

बेगूसराय (आरएनएस)। बिहार में बेगूसराय के बछवारा थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक ही परिवार के चार लोगों पर चाकू से हमला बोल दिया गया। इस हमले में तीन की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है शुक्रवार की रात संजीवन सिंह अपने पूरे परिवार के साथ सो रहे थे। तभी अपराधी किसी तरह घर मे प्रवेश कर गए और उन पर हमला कर दिया। इस घटना में संजीवन सिंह और उनकी पत्नी संजीता देवी तथा उनकी एक पुत्री की मौत हो गई। इस हमले में उनका एक सात वर्षीय पुत्र गंभीर रूप से घायल है। पुलिस के मुताबिक, अपराधियों ने चिरंजीवीपुर गांव में वारदात को अंजाम दिया है। घटना के समय पति-पत्नी और उसके दो बच्चे घर में सो रहे थे। अपराधियों ने धारदार हथियार से उन पर हमला कर गला रेत दिया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद उन पर तेजाब भी डाल दिया। इस घटना में पति, पत्नी और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चला है। फिलहाल पुलिस मौके पर मौजूद है और मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद घर मे कोहराम मच गया है। स्थानीय लोग दहशत में है।

पंजाब में बड़ी वारदात, सवारी लेकर जा रहे टैक्सी चालक की लूटपाट के बाद हत्या; लुटेरे गाड़ी भी लेकर फरार

चंडीगढ़ (आरएनएस)। लुधियाना-चंडीगढ़ नेश्नल हाईवे पर समराला में हरिओं गांव के पास कुछ हमलावरों ने एक टैक्सी चालक की गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार टैक्सी चालक का शव हरिओं गांव से कुछ ही दूरी पर बरामद हुआ है। हत्या करने के बाद हमलावर मृतक की टैक्सी लेकर फरार हो गए। मृतक की पहचान चंडीगढ़ के रवि कुमार के रूप में हुई है। रवि सुबह सवारियों को लेकर चंडीगढ़ से लुधियाना जा रहा था। रास्ते में उसे हमलावरों ने रोक लिया और फायरिंग कर दी। इससे रवि की मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर उसकी कार लेकर फरार हो गए। मृतक के पिता जय कुमार ने बताया कि तडक़े बेटे का फोन आया कि उसे किसी ने गोली मार दी है। जब वह मौके पर पहुंचे तो उसकी मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि एक साल पहले ही उसकी शादी हुई थी। वह कुछ माह से टैक्सी चलाने का काम कर रहा था। समराला के डीएसपी तरलोचन सिंह ने कहा कि जैसे ही उन्हें सूचना मिली वे तुरंत मौके पर आए। सीआईए की टीम भी उनके साथ है। उन्होंने बताया कि गोलियां मारकर मर्डर किया गया है। अभी कुछ नहीं कहा जा सकता कि यह लूटपाट का केस है या कोई अन्य। हर पहलू पर जांच कर रहे हैं। रवि का मोबाइल कब्जे में ले लिया है और जांच जारी है।

दिल्ली में बड़ा हादसा, भरभराकर गिरी इमारत, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी के माडल टाउन इलाके में उस समय अफरा तफर मच गई जब एक इमारत भरभराकर अचानक गिर गई। जानकारी के अनुसार इमारत गिरने के कारण कई लोग मलबे के नीचे दब गए है। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि बचावकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और लोगों को रेस्क्यू करने में जुट गए हैं। मलबे के नीचे कई लोगों के फंसने की आशंका व्यक्त की जा रही है। उत्तरी-पश्चिमी जिला के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मॉडल टाउन थाना क्षेत्र में दो मंजिला मकान ढहने से तीन लोग दब गए। इसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस व दमकलकर्मियों ने लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि यह घटना महेंद्रू एन्क्लेव में हुई, जहां पुराने मकान की मरम्मत की जा रही थी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को पश्चिम बंगाल सीमा पर बीएसएफ ने रोका

सिलीगुड़ी । आरएनएस

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की मदद से शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में बांग्लादेश से लगती सीमा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।

सीमा सुरक्षा बल के एक प्रवक्ता के अनुसार, बीएसएफ को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लगभग 1,000 बांग्लादेशी नागरिकों के सीमा पर आने की बात पता चली, जो भारत में शरण लेने के इरादे से सीमा पर आ रहे थे।

प्रवक्ता ने कहा कि इन लोगों का पता चलने पर, बीएसएफ ने तुरंत इन बांग्लादेशी नागरिकों को वापस लेने के लिए बीजीबी से संपर्क किया। इसके बाद दोनों एजेंसियों की तरफ से यह सुनिश्चित किया गया कि सीमा पर शांतिपूर्ण तरीके से स्थिति नियंत्रित की जाए।

कूचबिहार जिले के स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करके बीएसएफ की त्वरित कार्रवाई ने मुद्दे को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि यह ऑपरेशन बताता है कि बीएसएफ के जवान भारत की सीमाओं की सुरक्षा के लिए अटूट प्रतिबद्धता के साथ डटे हैं। इसके अलावा बीएसएफ मानवतापूर्ण तरीके से स्थिति को हल करने की कोशिश कर रहा है और 'अंतरराष्ट्रीय नियमों का सख्त पालन' करने के प्रति सजग है।

बीएसएफ के पीआरओ के अनुसार, यह चुनौती बीएसएफ के लिए नई है। ये सुरक्षा बल मुख्य तौर पर बांग्लादेश और पाकिस्तान की सीमाओं की सुरक्षा के लिए तैनात किए जाते हैं।

शेख हसीना को उनके प्रधानमंत्री पद इस्तीफा देने के बाद बांग्लादेश में फैली अशांति और हिंसक विरोध प्रदर्शन से पड़ोसी देश में फैली अस्थिरता के घटनाक्रमों को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

बीएसएफ, तटरक्षक बल और तटीय पुलिस सहित विभिन्न केंद्रीय और राज्य सुरक्षा एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिलों में फैले सुंदरबन क्षेत्र में बांग्लादेश के साथ समुद्री सीमाओं पर गश्ती बढ़ा दी है। पड़ोसी देश में चल रहे संकट को देखते हुए भारत में अवैध घुसपैठ रोकने के लिए यह सबसे जरूरी समय है।

हमें भारत आने दो' पानी में खड़े होकर मिन्नतें कर रहे हजारों बांग्लादेशी हिंदू; 'जय श्री राम' के नारे भी लगा रहे

नई दिल्ली । आरएनएस

बांग्लादेश में भले ही नई सरकार बन गई है, लेकिन वहां हिंसा अभी भी जारी है। प्रदर्शनकारी, अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बना रहे हैं। बांग्लादेश से कई हिंदू परिवार अपने घर छोडक़र भारत आना चाहते हैं। हजारों की तादाद में हिंदू समुदाय के लोग भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूद हैं। बंगाल के कूचबिहार के सितालकुची में करीब 1000 बांग्लादेशी जलाशय में खड़े होकर बीएसएफ से अनुरोध कर रहे हैं कि उन्हें भारत में प्रवेश की इजाजत दी जाए।

हालांकि, सीमा सुरक्षा को लेकर बीएसएफ भी अलर्ट है। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि अब तक भारत में प्रवेश करने की कोशिश करने वालों का यह सबसे बड़ ग्रुप है। कूचबिहार के काशियार बरुनी इलाके के पठानटुली गांव में सीमा पार करने की कोशिश कर रहे लोगों में इतनी हताशा थी कि वे बाड़ के पार जलाशय में घंटों इंतजार करते रहे। कुछ लोग 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगा रहे थे।

बीएसएफ कर्मियों ने इन लोगों को सीमा के जीरो पॉइंट (नो मैन्स लैंड) से 150 गज की दूरी पर बाड़ पार करने से रोक दिया । बीएसएफ जवानों की कई बार की गई अपील के बावजूद ये लोग बांग्लादेश के रंगपुर जिले के दोई खावा और गेंदुगुरी गांवों में अपने घरों को लौटने के लिए तैयार नहीं थे। बीएसएफ की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, यह उभरती चुनौती बीएसएफ के लिए नई है। बंगाल के उत्तर 24 परगना के पेट्रापोल में पिछले कुछ दिनों से बांग्लादेश से लोगों का आना जारी है।

सीमा की सुरक्षा के लिए समिति का गठन- बता दें कि सीमा पर नजर रखने की खातिर सरकार ने एक समिति का गठन किया है। सीमा सुरक्षा बल के पूर्वी कमान के एडीजी को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने सतर्कता बढ़ा दी है। बता दें कि बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं ने भारत सरकार की चिंता बढ़ा दी है।

दिल्ली को दहलाने की तैयारी में था रिजवान, पूछताछ में आईएसआईएस आतंकी ने किए ये चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली से गिरफ्तार आईएसआईएस आतंकी रिजवान अली ने पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। रिजवान दिल्ली में ब्लास्ट की तैयारी कर रहा था। उसने दिल्ली के जामिया और ओखला में यमुना के तटीय इलाकों में कंट्रोल ब्लास्ट किए थे। इतना ही नहीं आईएसआईएस के पुणे मॉड्यूल के पकड़े जाने के बाद वह दिल्ली में नए मॉड्यूल को तैयार करने में जुटा था।

पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि आतंकी रिजवान आतंक के कमांडर फरतुल्लाह गोरी के सीधे संपर्क में था। रिजवान ने पुणे में कंट्रोल ब्लास्ट की ट्रेनिंग ली थी। पुणे पुलिस के शिकंजे से बाहर निकलने के बाद रिजवान महाराष्ट्र और गुजरात के अलग-अलग शहरों में छिपा रहा। फरारी के दौरान भी वह फरतुल्लाह गोरी के संपर्क में था।

बता दें कि लंबे अर्से से फरार आतंकी रिजवान को पकडऩे के लिए सुरक्षा बलों ने अपने नेटवर्क को लगातार एक्टिव कर रखा था। कहा जा रहा है कि उसने अपने कुछ साथियों के साथ दिल्ली और मुंबई के इलाकों की रेकी की थी। उसे इससे पहले दिल्ली पुलिस ने साल 2018 में गिरफ्तार किया लेकिन लंबी पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया था। आतंकी रिजवान की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस व अन्य जांच एजेंसी अलर्ट मोड पर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने केरल के वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री मोदी ने त्रासदी का जायजा लेने के लिए केरल के वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया है। इस मोके पर उनके साथ मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी मौजूद रहे। यह आपदा 30 जुलाई को आई थी, जिसमें 416 लोगों की मौत हो गई है और 150 से अधिक लोग लापता हैं।वायनाड में मोदी अस्पतालों और कुछ राहत शिविरों में मरीजों से मिलेंगे, जहां भूस्खलन से प्रभावित 10,700 से अधिक लोग ठहरे हुए हैं।

इसके बाद मोदी एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में आरिफ मोहम्मद खान, विजयन और अन्य अधिकारी भाग लेंगे। फिर दोपहर करीब 3.30 बजे कन्नूर हवाई अड्डे लौटेंगे और फिर नई दिल्ली वापस आ जाएंगे।

पीएम मोदी के दौरे से पहले बचाव और राहत अभियान के लिए एनडीआरएफ, सेना, वायु सेना, नौसेना, अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा आदि के 1,200 से अधिक बचावकर्मियों को वायनाड में तैनात किया गया था।

चिकित्सा सहायता और उपचार के लिए डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों के साथ 100 से अधिक एम्बुलेंस तैनात की गई हैं।

भारतीय सेना ने वायनाड में 190 फुट लंबा बेली ब्रिज बनाया, जो भारी मशीनरी और एम्बुलेंस की आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण है। इस पुल का निर्माण मात्र 71 घंटों में पूरा कर लिया गया, जिससे भारी वाहनों और मशीनरी को बचाव कार्य में काफी मदद मिली और करीब 200 लोगों को बचाया जा सका।

इसके अलावा, केंद्र सरकार ने राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए एक समिति का गठन किया है। यह दल पिछले दो दिनों से वायनाड में है और शनिवार को अपना दौरा पूरा करेगा।

भूस्खलन से हुई तबाही देख भावुक हुए पीएम मोदी, बच्चों से पूछा ये सवाल- भूस्खलन से तबाह हुए वायनाड के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को क्षतिग्रस्त जी.वी.एच.एस. स्कूल वेल्लारमाला का दौरा किया और पूछा कि कितने बच्चों ने अपने अपने माता-पिता को खोया है।

हवाई जहाज से कलपेट्टा में उतरने के बाद, वह सबसे पहले क्षतिग्रस्त सरकारी जी.वी.एच.एस. स्कूल वेल्लारमाला में पहुंचे। भावुक हुए प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी से पूछा,कितने बच्चों ने अपने प्रियजनों को खोया है। प्रधानमंत्री मोदी क्षतिग्रस्त स्कूल को देखकर बहुत दुखी हुए। उन्होंने भूस्खलन पीड़ितों के पुनर्वास के बारे में मुख्यमंत्री से बात की।

जी.वी.एच.एस. स्कूल वेल्लारमाला में 582 छात्र थे। इनमें से 27 लापता बताए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्कूल में 15 मिनट बिताए और नए स्कूल भवन की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। पीएम मोदी ने भारतीय सेना द्वारा बनाए गए 190 फीट लंबे बेली ब्रिज का भी दौरा किया। वह उस पर चले और रक्षा अधिकारियों से बातचीत की।

कठुआ पुलिस ने जारी किए 4 आतंकवादियों के स्केच, सूचना देने पर 5 लाख का इनाम

कठुआ । आरएनएस

जम्मू कश्मीर के कठुआ में हाल ही में देखे गए संदिग्ध आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए कठुआ पुलिस ने 4 आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। इन आतंकियों को आखिरी बार मल्हार, बानी और सियोजधार के ढोक क्षेत्रों में देखा गया था। पुलिस ने जनता से अपील की है कि अगर इन आतंकवादियों के बारे में कोई जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित किया जाए।प्रत्येक आतंकवादी के बारे में कार्रवाई योग्य सूचना देने पर 5 लाख रुपये का इनाम रखा गया है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास इन आतंकवादियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी है, उन्हें भी उचित पुरस्कार देने का वादा किया गया है।

कठुआ पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है और इन आतंकवादियों की खोज में व्यापक अभियान शुरू किया है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साझा करें।

इन चारों आतंकवादियों की गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां काफी समय से चौकन्नी थीं। उन्हें घाटी के कुछ संवेदनशील इलाकों में देखा गया था, जहां उनकी संदिग्ध गतिविधियों के बारे में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया। इसके बाद कठुआ पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए इन संदिग्धों के स्केच तैयार किए और उन्हें सार्वजनिक किया।

इस समय पुलिस और सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील स्थानों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। पुलिस ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्तियों के बारे में तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और आतंकवादियों को गिरफ्तार किया जा सके।

इस कदम का उद्देश्य आतंकवादियों को पकडऩा और इलाके में शांति और सुरक्षा बनाए रखना है। इनाम की घोषणा से उम्मीद की जा रही है कि इससे आतंकवादियों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिलने में मदद मिलेगी। बता दें कि 10 जुलाई को कठुआ कस्बे से बदनोटा गांव में सेना के वाहन पर आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया था जिसमें चार सैनिक और एक स्थानीय पुलिसकर्मी सहित पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे।राजौरी, पुंछ, डोडा, कठुआ, रियासी और उधमपुर सहित जम्मू संभाग के पहाड़ी जिलों में 40 कट्टर विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी की सेना को सूचना मिली थी। सेना ने शांतिपूर्ण जम्मू संभाग से आतंकवाद को खत्म करने के लिए 4,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है, जिनमें शीर्ष पैरा कमांडो और जंगल युद्ध में प्रशिक्षित सैनिक शामिल हैं।

केदारनाथ में पहाड़ गिरने से मची अफरा-तफरी, सहमे लोग

रुद्रप्रयाग । आरएनएस

उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश से लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शनिवार को एक बार फिर रुद्रप्रयाग में केदारनाथ हाईवे के डोलिया देवी के पास पहाड़ टूटने की घटना सामने आई है।

डोलिया देवी के पास पहाड़ टूटने से पहाड़ी से राजमार्ग पर पूरा पहाड़ भरभराकर गिर पड़ा। पहाड़ से बड़े बड़े बोल्डर और मलबा भारी मात्रा में आ कर सडक़ पर गिर गया। जिससे सडक़ मार्ग बाधित हो गया। दरअसल शुक्रवार देर रात केदारघाटी में जोरदार बारिश हुई। जिसके बाद शनिवार को मौसम के साफ होते ही पहाड़ टूटकर गिर गया। गनीमत रही कि जब पहाड़ टूटकर गिरा उस वक्त कोई सडक़ से गुजर नहीं रहा था। जिसके कारण एक बड़ा हादसा होने से टल गया। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ हाईवे पर पहाड़ के टूटकर गिरने के बाद अब सडक़ को खोलने का काम किया जा रहा है। वहीं केदारनाथ धाम में भारी बारिश से हुए नुकसान के बाद लगातार काम जारी है। लेकिन लगातार हो रही भारी बारिश से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश से जहां पहाड़ पर भूस्खलन और पहाड़ गिरने से सडक़ें बाधित हो रही हैं, वहीं भूस्खलन की चपेट में कई गांव आ रहे हैं। जिसके कारण यहां लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बीते 31 जुलाई को भी केदारनाथ धाम में बादल फटने की घटना हुई थी। जिसके चलते वहां भारी नुकसान हुआ था और पैदल यात्रा भी बंद करनी पड़ी थी।

डिजिटल एमएसएमई यात्रा : नैनो, सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यमियों के लिए डिजिटल

नई दिल्ली । आरएनएस

सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और विकसित भारत 2047 की हमारी सोच में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। एमएसएमई हमारे देश की आर्थिक वृद्धि, निर्यात और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। एमएसएमई मंत्रालय के अनुसार, ये उद्यम भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 30त्न, निर्यात का 48त्न, और लगभग 110 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं। सरकार नियामक समर्थन और योजनाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और जमीनी स्तर पर जन जागरूकता बढ़ाने से एमएसएमई के बीच उत्साह को और बढ़ावा मिलेगा।पियूष एक उद्योग विशेषज्ञ और वैश्विक सलाहकार हैं, जिनके पास वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक), समावेशन और एमएसएमई क्षेत्रों में 16 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वह विश्व स्तर पर नैनो और एमएसएमई की वृद्धि के लिए काम कर रहे हैं और दृढ़ता से मानते हैं कि प्रौद्योगिकियों का अभिनव उपयोग एमएसएमई की व्यावसायिक वृद्धि और कौशल विकास में महत्वपूर्ण सुधार कर सकता है।इस यात्रा के दौरान, पियूष दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम में सेवाओं, विनिर्माण, व्यापार, थोक और खुदरा सेक्टर में नैनो, सूक्ष्म, छोटे और मध्यम उद्यमियों से मिल रहे हैं। सडक़ विक्रेताओं से लेकर 250 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले उद्यमों तक, पियूष एमएसएमई के तहत परिभाषित पूरे स्पेक्ट्रम को कवर करने का लक्ष्य रखते हैं।डिजिटल एमएसएमई यात्रा तीन प्रमुख उद्देश्यों को प्राप्त करने का लक्ष्य रखती है। पहला, यह एमएसएमई के बीच वर्तमान डिजिटल जागरूकता स्तर को समझने और उनकी डिजिटलाइजेशन यात्रा में आने वाली चुनौतियों की पहचान। दूसरा, यह उद्योग संघों और विशेषज्ञों के साथ जुडऩे, एमएसएमई के चुनौतियां को साझा करने, इन दृष्टिकोणों को व्यापक रूप से फैलाने का लक्ष्य रखती है। तीसरा, यात्रा का उद्देश्य एमएसएमई के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने और समर्थन देने वाली सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जिससे इन उद्यमों को उपलब्ध संसाधनों और विकास के अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिल सके।पियूष कुछ जमीनी चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहते हैं, "कई लोग सरकारी योजनाओं को काफी समय लगने वाला मानते हैं, जिससे आवेदन दरें कम होती हैं, हालाँकि सरकार ने इसके लिए काफी डिजिटल विकल्प दिए हैं। इसके अलावा, कई लोग इन योजनाओं से अनजान हैं। डिजिटल समाधानों के लिए, एमएसएमई ज्यादातर व्हाट्सएप और एक्सेल पर निर्भर हैं, इसलिए व्हाट्सएप का लाभ उठाने वाले अधिक एप्लिकेशन लाभकारी हो सकते हैं।